जबलपुर में खाद्यान्न भंडारण केंद्र के लिए भवन का निर्माण

6060. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जबलपुर में खाद्यान्न भंडारण कद्र के नवनिर्मित भवन के निर्माण में आई गम्भीर त्रुटियों के निराकरण में कितना अतिरिक्त व्यय किया गया है ;

(ख) इस व्यय का वहन किस प्राधिकारी द्वारा किया गया है ; और

(ग) उक्त निर्माण कार्य में गम्भीर त्रुटियों के लिए उत्तरदायी ठेकेदार और अधिकारियों के विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) भारतीय अनाज संचयन संस्थान के जबलपुर में नए निर्मित भवन में त्रुटियों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा कोई अतिरिक्त व्यय नहीं किया गया है । इन त्रुटियों को ठेकेदार की लागत पर दूर किया जा रहा है ।

(ख) इस व्यय को ठेकेदार द्वारा वहन किया गया है।

(ग) केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने भविष्य में इस ठेकेदार को कोई टेंडर न देने का निर्णय किया है और संबंधित कार्यकारी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता और कनिष्ठ अभियन्ता का स्थानान्तरण कर दिया गया है ।

खुले बाजार में विक्रय हेतु चीनी का जारी किया जाना

6061. **श्रीमती सुषमा स्वराज :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार प्रतिमाह खुले बाजार में विक्रय हेतु चीनी का कोटा जारी करती है ;

(ख) यदि हां, तो जनवरी से अप्रैल, 1994 के प्रत्येक महीने में खुले बाजार में बिक्री के लिए जारी किए गए कोटे का ब्यौरा क्या है ;

(ग) इन महीनों में से प्रत्येक महीने के दौरान चीनी का उपभोक्ता मूल्य कितना-कितना था ;

(घ) क्या यह भी सच है कि सरकार ने चीनी के मूल्यों को कम करने के लिए चीनी के आयात की भी अनुमति दे दी ; और

(ङ) यदि हां, तो चीनी का मूल्य कम करने के लिए सरकार की इस कार्यवाही का क्या प्रभाव आंका गया है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) जनवरी, 1994 से खुले बाजार में रिलीज किया गया चीनी का कोटा तथा चीनी का थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यू०पी०आई०) निम्नानुसार है :—

मास	खुली बिक्री के रूप में रिलीज की गई चीनी की मात्रा (लाख टन)	डब्ल्यू० पी०आई० (आधार 1981-100)
जनवरी, 1994	5.75	214.9
फरवरी, 1994	5.65	226.3
मार्च, 1994	6.00	227.7
अप्रैल, 1994	5.40	229.1*
		*2, 9 तथा 16 अप्रैल, 1994 का औसत ।

(घ) और (ङ) 1993–94 मौसम के दौरान उत्पादन में संभावित कमी का